केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 306 सोमवार 1 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नाबालिग से विवाह मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के विवाह का मामला सामने आया है। यह विवाह 12 मई को संपन्न हुआ था, लेकिन इसकी शिकायत लगभग 14 दिन बाद चाइल्ड हेल्पलाइन पर पहुंची, जिसके बाद प्रशासन और पुलिस सक्रिय हुए। शिकायत चाइल्ड हेल्पलाइन 1090 पर ग्राम बरदहिया से मिली थी। इसमें आरोप लगाया गया कि लकी कुमार उर्फ दीपू कुमार पुत्र शिवदास ने नाबालिग का विवाह कराने में मुख्य भूमिका निभाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए, जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार ने तत्काल पुलिस को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पुरानी बस्ती थाने में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की धारा 9 और 10 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि विवाह के समय लड़की की वास्तविक उम्र क्या थी और इस बाल विवाह में किन–किन अन्य लोगों की संलिप्तता रही। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि जानकारी मिलते ही तुरंत विधिक कार्रवाई शुरू की गई है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर:युवती की मौत, भाई घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती– ।अयोध्या हाईवे पर शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक युवती की मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना परसरामपुर थाना क्षेत्र स्थित घंघौवा चौकी के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, छावनी थाना क्षेत्र के खतमसराय गांव निवासी चंद्रभान सिंह की 25 वर्षीय पुत्री लक्ष्मी अपने 17 वर्षीय भाई अभिषेक सिंह के साथ मोटरसाइकिल से अयोध्या खरीदारी करने जा रही थीं। शाम करीब छह बजे जैसे ही वे परसरामपुर थाना क्षेत्र स्थित घंघौवा चौकी के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दोनों भाई–बहन काफी दूर तक घिसटते चले गए। हादसे में लक्ष्मी ट्रक के पहिये की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घंघौवा चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को मेडिकल कॉलेज दर्शननगर, अयोध्या भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभिषेक का उपचार जारी है और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। परसरामपुर के एसओ विश्व मोहन राय ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही खतमसराय गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

नेपाल ने भी किया है भारत की जमीन पर कब्जा– बालेन शाह

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने भारत से लगी सीमा को लेकर रविवार को संसद में विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि जैसे भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, वैसे ही नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की जमीन पर अतिक्रमण किया है। द काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल के प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी के सीमा विवाद को कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। श्रम संस्कृति पार्टी के सांसद आरेन राय के संसद में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए बालेंद्र शाह ने कहा, 'प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि न केवल भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की भूमि पर अतिक्रमण किया है। इस मामले पर दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर विचार करने की जरूरत है।'

इसके अलावा, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा के रास्ते भारत और चीन के बीच होने वाले व्यापार पर नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की उप–संसदीय दल की नेता पद्मा अर्याल ने एक सवाल किया। इसका जवाब देते हुए पीएम शाह ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत के जरिए निकाला जाएगा। शाह ने बताया कि नेपाल इस संबंध में भारत को पहले ही एक आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेज चुका है और वहां से जवाब भी मिल गया है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने कहा, 'भारत से मिले जवाब में कहा गया है कि दोनों सरकारें इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और क्षेत्र के जानकारों को शामिल कर टीमें बनाएंगी और बातचीत के जरिए इसका समाधान तलाशेंगी।श नेपाल के प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नेपाल ने इस सीमा विवाद को लेकर चीन और ब्रिटेन के साथ भी कूटनीतिक चर्चा की है, क्योंकि यह मुद्दा उस समय का है, जब अंग्रेज इस क्षेत्र को छोड़कर गए थे। इसलिए ब्रिटेन को भी इसमें दिलचस्पी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस मुद्दे को ब्रिटेन के साथ उठाएगी।भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा व कालापानी क्षेत्र का विवाद 1816 के सुगौली संधि पर आधारित है। नेपाल का दावा है कि महाकाली नदी (कालापानी) को सीमा रेखा मानकर लिपुलेख दर्रा, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके भू–भाग में आते हैं। नेपाल 2020 में नया राजनीतिक मानचित्र जारी कर इन क्षेत्रों को अपना बताया था। इन क्षेत्रों पर नेपाल का तर्क है कि ब्रिटिश काल के पुराने नक्शों और नदी की उत्पत्ति बिंदु को आधार मानते हुए ये इलाके नेपाल के हैं। मगर, ये इलाके भारत के उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा हैं। भारत का तर्क है कि 1950 के दशक से यहां उसकी सीमा चौकी है और 1962 के बाद सामरिक कारणों से यह क्षेत्र अहम है।

कड़ी सुरक्षा में बीएड प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर रविवार सुबह 9 बजे बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2026 की प्रथम पाली कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस परीक्षा के लिए कुल 4470 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4143 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। 327 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा एपीएन डिग्री कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज और महिला महाविद्यालय सहित कुल 12 केंद्रों पर आयोजित की गई। सभी केंद्रों पर अभ्यर्थियों को सघन जांच के बाद प्रवेश दिया गया और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी गई। प्रशासनिक अधिकारियों और सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मनवर नदी सफाई अभियान को पीएम मोदी ने सराहा, विधायक अजय सिंह की पहल का असर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद की मनवर नदी को पुनर्जीवित करने के लिए चलाया गया सफाई एवं संरक्षण अभियान एक बार फिर चर्चा में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस जनभागीदारी आधारित प्रयास की सराहना रविवार को मन की बात कार्यक्रम में किए जाने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। मनवर नदी सफाई अभियान की शुरुआत वर्ष 2018 में विधायक अजय सिंह की पहल पर हुई थी। उनके प्रयासों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभियान का शुभारंभ किया था। इसके बाद प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों के सहयोग से नदी की सफाई का व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान से जुड़कर विधायक के गांव लजघटा के सात लड़कों ने टीम बनाकर 300 मीटर नदी की सफाई किया जिसकी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात में जिक्र किया। लड़कों ने बताया कि उनके इस अभियान में इंस्टाग्राम पर साठ हजार फेसबुक पर पचास हजार और यूट्यूब पर बीस हजार फॉलोअर हैं। लड़कों ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अभियान के दौरान नदी से कचरा और अतिक्रमण हटाने के साथ–साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। वर्षों से उपेक्षा का शिकार रही नदी में सुधार के प्रयासों का सकारात्मक असर भी देखने को मिला है। प्रधानमंत्री की सराहना को इस अभियान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इससे नदी संरक्षण के प्रयासों को नई ऊर्जा मिलेगी और भविष्य में भी जनसहयोग से ऐसे अभियान आगे बढ़ते रहेंगे। विधायक ने कहा कि मनवर नदी क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। वर्ष 2018 में शुरू हुआ यह अभियान जनसहभागिता की ताकत का उदाहरण बन गया है। प्रधानमंत्री द्वारा की गई सराहना से अभियान से जुड़े सभी लोगों का उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि नदी संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के लिए आगे भी निरंतर प्रयास जारी रहेगा।

यूपी में 4 वर्ष बाद राजीव कृष्ण बने स्थायी डीजीपी: योगी सरकार ने दिया मंजूरी

लखनऊ (आभा)। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को पूर्णकालिक डीजीपी की तैनाती के लिए प्रस्ताव केंद्र को भेजने का निर्देश दिया था। यूपी में मुकुल गोयल की अंतिम पूर्णकालिक डीजीपी के रूप में तैनाती हुई थी। अब चार साल बाद इस पद पर पूर्णकालिक नियुक्ति हो गई है। योगी सरकार ने राजीव कृष्ण के नाम पर मुहर लगा दी।

आईपीएस अधिकारी और वर्तमान में कार्यवाहक डीजीपी के रूप में तैनात राजीव कृष्ण को प्रदेश का नया पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। सीएम योगी की मंजूरी के बाद अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भेजे गए पैनल पर शासन स्तर पर गहन मंथन के बाद यह निर्णय लिया गया। 26 मई को नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की बैठक में यूपी पुलिस के डीजीपी के दावेदारों के नामों पर विचार–विमर्श किया गया था। बैठक में यूपी के चीफ सेक्रेटरी एसपी गोयल और प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद भी मौजूद रहे थे।

यूपी के स्थायी डीजीपी के लिए कई नाम चर्चा में थे। वरिष्ठता सूची में शामिल अधिकारियों के नामों पर विचार–विमर्श के बाद तीन नाम तय किए गए थे। इनमें वरिष्ठता क्रम में सबसे आगे 1990 बैच की आईपीएस अधिकारी रेणुका मिश्रा, 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी पीयूष आनंद और राजीव कृष्ण के नाम शामिल थे। स्थायी डीजीपी के प्रस्ताव में वरिष्ठता क्रम के आधार पर उन अधिकारियों के नाम भेजे गए थे जिन्होंने 30 साल की सेवा पूरी कर ली है और जिसका कार्यकाल छह महीने से अधिक शेष है। वरिष्ठता सूची में दूसरा नाम 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी आलोक शर्मा का था। वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर डीजी एसपीजी के पद पर तैनात आलोक शर्मा कार्यकाल अगले महीने पूरा हो रहा है। ऐसे में कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण के ही पूर्णकालिक डीजीपी बनने की उम्मीद सबसे अधिक मानी जा रही थी।

वैभव श्री समूहों के प्रान्त स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक उत्थान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को सरस्वती विद्यामंदिर, रामबाग में आयोजित सेवा भारती गोरक्ष प्रान्त के स्वावलंबन आयाम के वैभव श्री समूहों के प्रान्त स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में राष्ट्रीय सेवा भारती के वैभवश्री राष्ट्रीय टोली सदस्य विनोद मोहने उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता सेवा भारती बस्ती विभाग के अध्यक्ष सुनील मिश्र ने किया। इस सत्र में स्वावलंबन संकल्पना विषय पर चर्चा हुई। इस सत्र में बोलते हुए विनोद मोहने जी ने कहा कि वैभवश्री केवल आर्थिक सशक्तिकरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह समाज के अंतिम पंक्ति में खड़ी मातृशक्ति को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा समाज के विकास में सहभागी बनाने का एक व्यापक सामाजिक अभियान है।

उन्होंने कहा कि भारत के समग्र विकास का मार्ग महिलाओं की उन्नति और आत्मनिर्भरता से होकर जाता है। जब कोई महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका परिवार, समाज और सम्पूर्ण राष्ट्र उससे लाभान्वित होता है। वैभवश्री समूहों के माध्यम से महिलाओं में बचत, स्वावलंबन, उद्यमिता, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास हो रहा है। सुनील मिश्र ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि स्वावलंबन के लिए स्वरोजगार के साथ साथ अपनी भाषा और अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान और समर्पण भी आवश्यक है।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रान्त स्वावलंबन प्रमुख विन्नी श्रीवास्तव ने किया। इस सत्र में बचत की आवश्यकता क्यों और कैसे विषय पर चर्चा किया गया। इस सत्र में विनोद मोहने ने बताया कि वैभवश्री समूहों का उद्देश्य केवल ऋण, बचत अथवा आर्थिक गतिविधियों का संचालन करना नहीं है, बल्कि महिलाओं एवं युवाओं में संगठन, सहयोग और संस्कार आधारित सामाजिक चेतना का निर्माण करना भी है। समूह की प्रत्येक बहन अपने क्षेत्र में परिवर्तन की वाहक बने तथा अपने व्यवहार और कार्यों से समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करे तथा राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाने में सहायक बने।

तृतीय एवं चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता सेवा भारती गोरक्ष प्रान्त के मंत्री अभिजीत गौतम ने किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बहनों एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में प्राप्त ज्ञान, कौशल एवं अनुभव को अपने–अपने क्षेत्रों में पहुँचाने का कार्य करें। प्रत्येक समूह को आर्थिक गतिविधियों के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों, परिवार प्रबोधन, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन सेवा भारती गोरक्ष प्रान्त के कोषाध्यक्ष डॉ विजय कुमार मिश्र ने किया। जिला सह सेवा प्रमुख मधुरेश ने कल्याण मंत्र का वाचन किया।

बढती मंहगाई के विरोध में कार, मोटरसाईकिल को धक्का मारकर चलाते हुये बहुजन मुक्ति पार्टी ने किया आन्दोलनः राष्ट्रपति को भेजा 15 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को बहुजन मुक्ति पार्टी ने जनहित के सवालों को लेकर तीसरा चरण में धक्का मारो आंदोलन करते हुये 15 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुये जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा । पदाधिकारी शास्त्री चौक से कार, मोटरसाइकिल को पैदल धक्का मारते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे और डीजल, पेट्रोल, सीएनजी, खाद संकट को लेकर सरकार का ध्यानाकर्षण किया।

बहुजन मुक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष बुद्धेश राना, युवा विंग जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश गौतम नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा सहित कई संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे । ज्ञापन में घरेलू गैस, स्मार्ट मीटर, बिजली मूल्य वृद्धि, डीजल, पेट्रोल सहित जनहित के 15 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुये निर्णायक पहल की मांग किया गया।

भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आर. के. आरतियन, मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम , प्रदेश अध्यक्ष भारतीय विद्यार्थी मोर्चा बुद्ध प्रिय

–बहुजन समाज के लोगों की आर्थिक कमर तोड़ने का सुनियोजित षड्यंत्र कर रही है सरकार-बुद्धेश राना

पासवान आदि ने ज्ञापन सौंपने के बाद कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा महंगाई, बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में विफल है। स्मार्ट मीटर द्वारा अधिकतम बिजली बिल उपभोक्ताओं पर थोपा जा रहा है, ऊपर से बिजली को 10 प्रतिशत और महंगा कर दिया गया। महंगे घरेलू गैस और कॉमर्शियल गैस एवं महंगे पेट्रोल–डीजल ने देश के बहुजन समाज के लोगों की आर्थिक कमर तोड़ने का सुनियोजित षड्यंत्र केन्द्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसके विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन जारी रहेगा।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि एक तरफ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के द्वारा जनता के वोटों की चोरी हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ स्मार्ट के द्वारा जनता को लूटा जा रहा है। विद्युत सप्लाई ना करते हुए भी उपभोक्ताओं पर स्मार्ट मीटर द्वारा बिल थोपा जा रहा है। इस पर रोक लगाया जाय। घरेलू गैस रूपया 1500 से लेकर 2000 तक और कॉमर्शियल गैस रू. 2500 से लेकर रू. 3500 तक महंगा कर दिया है। देश के प्रत्येक नागरिकों को रोजी–रोटी, कपड़ा–मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन वर्तमान केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की आम जनता परेशान है। घरेलू गैस सिलेण्डर के लिये लोग परेशान है, कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति रूकने से होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट का काम पूरी तरह से ठप हो चुका है। इसके कारण बेरोजगारी लगातार बढ रही है। गैस एजेंसियां एजेंटां के माध्यम से काला बाजारी कर ब्लैक से महंगे कीमतों में सिलेण्डर गैस बेच रही है। पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों ने कर्मचारी, किसान–श्रमिक, युवा–छात्रों को प्रभावित किया है। मांग किया कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार जनता का अनावश्यक उत्पीड़न बंद करे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष भारतीय विद्यार्थी छात्रा प्रकोष्ठ सोनी, दिनेश कुमार, प्रदेश मीडिया प्रभारी राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा ,डा रिफाकत अली, चंद्रावती देवी, वीरेंद्र कुमार , चरनदासी, एडवोकेट भूपेंद्र चौधरी, मेहीलाल,दीपक आर्य आदि शामिल रहे।

समाजवादियों ने किया जयन्ती पर महारानी अहिल्याबाई होल्कर को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–बूथ स्तर पर तैयारियों की निरन्तर समीक्षा करें पदाधिकारी– महेन्द्रनाथ यादव

बस्ती । रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर महारानी अहिल्याबाई होल्कर को जयंती पर याद किया गया। इसी क्रम में बस्ती सदर विधानसभा के बूथ स्तर के तैयारियों की समीक्षा की गई। सपा जिलाध्यक्ष और सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में और औद्योगीकरण के प्रचार–प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। आज वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष मो. सलीम, राम सिंह यादव, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे', पवन यादव, जावेद पिण्डारी, सौरभ मिश्र, मो. हारिश, प्रदीप गौतम, राम शंकर निराला, कैलाश शर्मा, रामभवन यादव, बैजनाथ शर्मा, जोखूलाल यादव, अनिल निषाद, पंकज निषाद आदि ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर एक बहादुर, निडर और महान योद्धा थीं। उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रजा के हित के लिए अनेक कार्य किये। कहा कि उनको हमेशा से एक बहादुर, आत्मनिष्ठ, निडर महिला के रूप में याद किया जाता है। वे अपने समय की सर्वश्रेष्ठ योद्धा रानियों में से एक थीं, जो अपनी प्रजा की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती थीं. इतना ही नहीं उनके शासन काल में मराठा मालवा साम्राज्य ने काफी ज्यादा नाम कमाया था। जनहित के लिए काम करने वाली महारानी ने कई हिंदू मंदिर का निर्माण भी करवाया था, जो आज भी पूजे जाते हैं।

वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई एक दार्शनिक और कुशल राजनीतिज्ञ थीं इसी वजह से उनकी नजरों से राजनीति से जुड़ी कोई भी बात छुप नहीं सकती थी। महारानी की इन्हीं खूबियों के चलते ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीस ने उन्हें 'द फिलॉसोफर क्वीन' की उपाधि से नवाजा था। जानकारी के मुताबिक महारानी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में हुआ था, जिसे वर्तमान में अहमदनगर के नाम से जाना जाता है। अहिल्याबाई होलकर ने एक छोटे से गांव इंदौर को एक समृद्ध एवं विकसित शहर बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने यहां पर सड़कों की दशा सुधारने, गरीबों और भूखों के लिए खाने की व्यवस्था करने के साथ–साथ शिक्षा पर भी काफी जोर दिया। अहिल्याबाई की बदौलत ही आज इंदौर की पहचान भारत के समृद्ध एवं विकसित शहरों में होती है।

बस्ती सदर विधानसभा के बूथ स्तर के तैयारियों की समीक्षा बैठक में सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बूथ स्तर पर निरन्तर सक्रियता बनी रहे। विधानसभाध्यक्ष बस्ती सदर मो. सलीम ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के सभी 437 बूथों पर समीक्षा जारी है और खामियां दूर करायी जा रही है।

समीक्षा बैठक और जयंती पर अहिल्याबाई होल्कर को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से सपा नेता अरविन्द सोनकर, भोला पाण्डेय, रजवन्त यादव, जैराज यादव, प्रदीप निषाद, विकास पाण्डेय, हनुमान प्रसाद यादव, उदयराज विश्वकर्मा, मो. फारूक, दाउद खान, बब्लू खान, नितराम चौधरी, राम बहाल चौधरी, सुशील यादव, रमेश गौतम, मो. हारिश, मो. युनूस आलम, विधाल सोनकर, राहुल सोनकर, मो. नसीर, नसीबुल्लाह, अवधेश सोनकर, मूलचंद यादव, अशोक कुमार यादव, बलवन्त कुमार, हेमन्त चौधरी, मंगल निषाद, रामचन्द्र यादव, अमित गौड़, अहमद अली के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 जून 2026 सोमवार

सम्पादकीय

परीक्षा पर उठते सवाल

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन–स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोबेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने तुरंत ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया। निश्चित रूप से एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली में इतना लचीलापन होना चाहिए कि छात्रों के आक्रोश के सार्वजनिक होने, राजनीतिक टीका–टिप्पणी सामने आने या ऑनलाइन अभियान चलने से पहले समस्या का निराकरण हो जाए। हालिया घटनाक्रम का एक दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि सीबीएसई की लापरवाही का शिकार बने वेदांत को अपनी बात उठाने पर बुरी तरह लांछित किया। कुछ सोशल मीडिया वीरों ने उसकी मुखरता से आवाज उठाने की कोशिश को देश विरोधी तक ही नहीं कहा, बल्कि कुछ ने तो उसे पाकिस्तानी तक कह दिया। यह तंत्र के बचाव में उतरने की अंधभक्ति ही है कि न्याय के लिये आवाज उठाने के लिये पीड़ित भारतीय नागरिक की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की असफल कोशिश हो। क्या न्याय के लिये आवाज उठाने वाले छात्रों को इसलिए अपमानित व प्रताड़ित होना चाहिए क्योंकि उसकी शिकायत सामने आने के बाद देश के नामचीन संगठनों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है? वास्तव में इन छात्रों के मामले में आई खामियों की व्यापक स्तर पर पड़ताल होनी चाहिए। यह भी विचार करना चाहिए कि कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण के बिना आनन–फानन में डिजिटलीकरण कराने से ही कहीं ऐसी खामियां तो सामने नहीं आ रही हैं? निश्चित रूप से इसका खमियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है और उनका भविष्य दांव पर लग जाता है। यह हकीकत है कि सीबीएसई का भूल सुधार करने का प्रयास कभी व्यवस्थागत सुधार का विकल्प नहीं हो सकता। बोर्ड को तत्काल ओएसएम प्रणाली और स्कैनिंग प्रक्रियाओं का स्वतंत्र ऑडिट कराना चाहिए। परीक्षा बोर्ड और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियां योग्यता और निष्पक्षता की संरक्षक मानी जाती हैं। सवालों से घिरी भारतीय शिक्षा प्रणाली तभी अपनी विश्वसनीयता बचा सकती है, जब वह बुनियादी प्रक्रियात्मक विश्वसनीयता की गारंटी देने का वायदा करे।

नेपाल की प्रमुख नदी प्रणालियां

–डॉ राधेश्याम द्विवेदी –

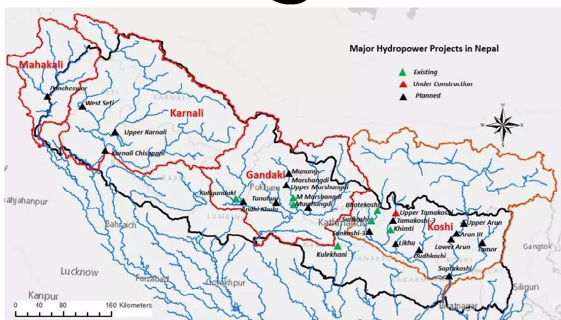

नेपाल को 'नदियों का देश' कहा जाता है क्योंकि यहाँ लगभग 6,000 से अधिक नदियाँ और जलधाराएं हैं। इनमें से अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलकर भारत की ओर बहती हैं और बंगाल की खाड़ी में विलीन हो जाती हैं।

1. कोशी नदी प्रणाली (सप्तकोशी)

इसे नेपाल की सबसे बड़ी नदी माना जाता है। भारत और चीन के साथ साझा की जाने वाली कोसी नदी कुल 450 मील तक बहती है। नेपाल के दक्षिणी ढलानों पर घुमावदार रास्तों से बहने वाली कोसी नदी को इसकी सात मुख्य सहायक नदियों के कारण सप्तकोशी भी कहा जाता है। इनमें से प्रत्येक सहायक नदी में एक उत्कृष्ट नदी प्रणाली है जो विभिन्न साहसिक गतिविधियों और मनमोहक दृश्यों से भरपूर है। दिलचस्प बात यह है कि भारत में प्रवेश करने के बाद कोसी नदी को बाढ़ की उच्च प्रवृत्ति के कारण 'बिहार का दुख' भी कहा जाता है। बाढ़ की आशंका के बावजूद, नेपाल के ऊंचे इलाकों में, हिमालय की निर्मल सुंदरता के बीच बहने वाली कोसी नदी रोमांच के लिए एक आकर्षक केंद्र है।

यह सात प्रमुख नदियों (सुन कोशी, इंद्रावती, दूध कोशी, भोटे कोशी, तमूर, बरुण और अरुण) के मिलने से बनती है, इसलिए इसे सप्तकोशी भी कहते हैं। यह नदी बिहार (भारत) का शोक भी कहलाती है। लंबाईरू लगभग 720 किलोमीटर (नेपाल में)

2.गंडकी नदी प्रणाली (नारायणी)

यह मध्य नेपाल से होकर बहने वाली एक प्रमुख नदी है। गंडकी नदी को नारायणी नदी के नाम से भी जाना जाता है, और इसका नदी तंत्र पश्चिम में करनाली बेसिन और पूर्व में कोसी नदी तंत्र के बीच स्थित है। इस नदी को सप्त–गंडकी भी कहा जाता है क्योंकि इसकी सात मुख्य सहायक नदियाँ मिलकर गंडकी बेसिन बनाती हैं। गंडकी की शाखाएँ नेपाल की प्रसिद्ध नदियाँ हैं जो आपस में मिलकर महत्वपूर्ण जलविद्युत उत्पादन के साथ– साथ कई मनमोहक प्राकृतिक दृश्य प्रस्तुत करती हैं। इसकी एक सहायक नदी, कालीगंडकी, काली गंडकी घाटी या अंधा गलची नामक एक गहरी घाटी का निर्माण करती है। चितवन में, कालीगंडकी नदी गंडकी की एक अन्य महत्वपूर्ण सहायक नदी, त्रिशुली से मिलती है।

यह घाटी दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में से एक है, जो 300 मीटर की ऊंचाई से गिरते हुए शानदार रूप से जलप्रपात का निर्माण करती है। काली गंडकी पर महाभारत पर्वतमाला के उत्तर में नेपाल की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना स्थित है। हिमालय से निकलने वाली इसकी मुख्य सहायक नदियाँ काली गंडकी, बूढ़ी गंडकी, त्रिशूली और मर्स्यांगडी हैं। इसकी लंबाई लगभग 450 किलोमीटर है।

3. करनाली नदी प्रणाली (घाघरा)करनाली नेपाल की सबसे लंबी और पवित्र नदियों में से एक है। तिब्बत में कैलाश पर्वत के पास से निकलने वाली यह नदी आगे चलकर भारत में घाघरा नदी में मिल जाती है। करनाली नेपाल की सबसे लंबी और प्रमुख नदियों में से एक है, जिसका उद्गम मानसरोवर झील के पास तिब्बती पठार से होता है। इसे अक्सर ' वाइल्ड वेस्ट' कहा जाता है। 513 मील लंबी यह नदी पश्चिमी नेपाल के अधिकांश भाग से होकर बहती है। करनाली बेसिन में नेपाल के कुछ सबसे खूबसूरत राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं। शेय फोक्सुंडो राष्ट्रीय उद्यान, रारा राष्ट्रीय उद्यान और बर्दिया राष्ट्रीय उद्यान नदी के किनारे स्थित मुख्य संरक्षित क्षेत्र हैं।इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हुमला करनाली, मुगु करनाली, सेती और भेरी हैं। इसकी लंबाई लगभग 550 किलोमीटर है।

4. महाकाली नदी (शारदा)

यह नदी नेपाल और भारत (उत्तराखंड) की अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण करती है। नेपाल की हिमालयी सीमा के साथ बहने वाली खूबसूरत शारदा नदी को संस्कृत में महाकाली नदी के नाम से भी जाना जाता है। यह नदी दो बेहद खूबसूरत राष्ट्रीय उद्यानों, शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान और दुधवा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरती है। नदी में वाटर राफ्टिंग एक लोकप्रिय गतिविधि है। इसे शारदा नदी के नाम से भी जाना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण नदियाँ

5.बागमती नदी–

नेपाल की बागमती नदी काठमांडू को पाटन से अलग करती है और इसे पवित्र नदी भी माना जाता है। इसके किनारों पर कई हिंदू मंदिर स्थित हैं। यह नेपाल की सबसे पवित्र और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, जिसके तट पर काठमांडू में प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है।

6.कंकाई नदी–

कंकाई नदी, जिसे माई खोला भी कहा जाता है, को पवित्र नदी माना जाता है और इसके मार्ग में डोमुखा, चूली, धनुष्कोटी और माईपोखरी जैसी कई पर्यटन स्थल हैं। नेपाल के तराई क्षेत्र में हाल ही में कंकाई सिंचाई परियोजना भी विकसित की गई है। यह पूर्वी नेपाल की एक पवित्र नदी है।

7.राप्ती नदी

पश्चिम राप्ती नदी नेपाल के मध्य–पश्चिमी क्षेत्रों से बहती हुई भारत में प्रवेश करती है और घाघरा नदी में मिल जाती है। पूर्वी राप्ती नदी चितवन घाटी में बहती है और चितवन राष्ट्रीय उद्यान की उत्तरी सीमा बनाती है।

8.तामुर नदी

नेपाल की खूबसूरत तामुर नदी कंचनजंगा पर्वतमाला के आसपास से निकलती है और नेपाल के पूर्वी हिस्से में स्थित है। यह नदी रिवर राफ्टिंग जैसे जल क्रीड़ाओं के लिए प्रसिद्ध है।

9.मार्श्यांगडी

नेपाल की यह नदी अन्नपूर्णा पर्वतमाला से निकलती है और अन्नपूर्णा सर्किट ट्रेक करने वालों के लिए एक लोकप्रिय प्राकृतिक आकर्षण है।

द्वितीय और तृतीय श्रेणी की नदियाँ

नेपाल की अन्य द्वितीय श्रेणी की नदियों में मेची, तिनाऊ, बाबई, मोहना, त्रिजुगा आदि शामिल हैं । अंत में, नेपाल की 4तृतीय श्रेणी की नदियाँ चुरे पहाड़ियों से निकलती हैं और इनमें मनुस्मारा, जमुनी, हरदीनाथ, तिलाबे आदि शामिल हैं। ये नदियाँ गर्मियों में सूख जाती हैं और मानसून मेंभर जाती हैं। इनका उपयोग परिवहन या जलविद्युत के लिए नहीं किया जाता है, बल्कि केवल सिंचाई के लिए किया जाता है।

विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा खतरा है इस्राईल

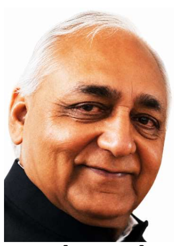

–तनवीर जाफरी–

दरअसल ईरान ही एक अकेला ऐसा देश है जोकि न केवल ग्रेटर इस्राइल रुपी इस विस्तारवादी परियोजना को खुलकर खारिज करता है बल्कि फिलिस्तीनी क्षेत्रों गजा,वेस्ट बैंक व लेबनान आदि में इस्राईल द्वारा कब्जा की गयी जमीन को भी मुक्त कराये जाने का पक्षधर है। यही वजह है कि ईरान, इस्राईल व अमेरिका की नजरों में खटकता रहता है। ईरान की तेल सम्पदा पर भी अमेरिका अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये रखता है। उधार अपनी इसी योजना को आगे बढ़ाते हुये अब तक इस्राईल ने आतंक व बर्बरता का वह इतिहास रचा है जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। उदाहरण के तौर पर गजा में 7 अक्टूबर 2023 से 19 मई 2026 के मध्य इस्राइली सैन्य कार्रवाई में 72,772 से अधिक निहत्थे बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि घायलों की संख्या 172,707 से भी अधिक है ।

दशकों से वैश्विक स्तर पर ईरान को एक खलनायक राष्ट्र के रूप में पेश करने की घिनौनी साजिश रची जाती रही है। इस्राइल यह बार बार दोहराता रहा है कि उसे डर है कि यदि ईरान परमाणु बम बना लेता है तो उसका अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। यह दुष्प्रचार तब किया जाता है जबकि ईरान में इस्लामी क्रांति के नेता आयतुल्लाह खुमैनी द्वारा परमाणु बम को मानवता विरोधी बताते हुये इसके निर्माण के विरुद्ध फतवा तक दिया जा चुका है। उधर ईरान के किसी भी धर्मगुरु या नेता ने आज तक परमाणु बम बनाने की बात भी नहीं की है। परन्तु इराक में सद्दाम हुसैन की तर्ज पर ईरान को भी केवल मीडिया प्रोपेगंडा कर बार बार खलनायक प्रमाणित करने की कोशिश की जाती रही है। दरअसल इसकी एक वजह यह भी है कि अमेरिकी–इस्राईली प्रभाव वाले ईरानी शासक मोहम्मद रजा शाह पहलवी ने तो 1948 में इस्राइल को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता तो दी थी परन्तु 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने इस्राइल की मान्यता भी समाप्त कर दी साथ ही उसे षसियोनवादी शासनष भी घोषित कर दिया।

परन्तु यदि हम ईरान व इस्राईल के श्ट्रैक रिकॉर्डश को देखें तो 1967 के युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक और गजा पर कब्जा जमाकर फिलिस्तीन पर अपना नियंत्रण करना शुरू कर दिया था। तब से लेकर आज तक इस्राइल पूरे क्षेत्र में बर्बरीयत व हिंसा करता आ रहा है। इसके पीछे उस ग्रेटर इस्राइल के गठन व निर्माण की एक जायोनिस्ट (यहूदीवादी) विस्तारवादी अवधारणा काम कर रही है जिसके तहत एक ऐसे विशाल यहूदी राज्य की कल्पना की गई है, जो वर्तमान इस्राइल से कहीं ज्यादा बड़ा हो और इसमें मध्य पूर्व के कई अरब देशों के क्षेत्रों को शामिल किया जा सके। इस योजना को आधुनिक राजनीतिक संदर्भ में एक विवादित इस्राईली विस्तारवादी परियोजना के रूप में देखा जाता है । जायोनिस्ट के इस काल्पनिक ग्रेटर इस्राइल की भौगोलिक सीमाएं मिस्र की नील नदी से लेकर इराक की फुरात (यूफ्रेट्स) नदी तक और मदीना से लेकर लेबनान तक शामिल हैं। यहाँ तक कि पूरा जॉर्डन, फिलिस्तीन (पश्चिमी तट व गजा), लेबनान, सीरिया, इराक, मिस्र, सऊदी अरब के बड़े हिस्से,पवित्र स्थल मक्का, मदीना, और माउंट सिनाई पर कब्जा भी इस योजना में शामिल माना जाता है। इसी दूरगामी योजना के मद्देनजर इस्राईल की सरपरस्ती करते हुये अमेरिका ने दशकों से ईरान का भय दिखाकर तथा शिया सुन्नी मतभेदों को हवा देकर इसी की आड़ में मध्य पूर्व के अनेक देशों में अपने सैन्य ठिकाने भी बना रखे हैं।

दरअसल ईरान ही एक अकेला ऐसा देश है जोकि न केवल ग्रेटर इस्राइल रुपी इस विस्तारवादी परियोजना को खुलकर खारिज करता है बल्कि फिलिस्तीनी क्षेत्रों गजा,वेस्ट बैंक व लेबनान आदि में इस्राईल द्वारा कब्जा की गयी जमीन को भी मुक्त कराये जाने का पक्षधर है। यही वजह है कि ईरान, इस्राईल व अमेरिका की नजरों में खटकता रहता है। ईरान की तेल सम्पदा पर भी अमेरिका अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये रखता है। उधर अपनी इसी योजना को आगे बढ़ाते हुये अब तक इस्राईल ने आतंक व बर्बरता का वह इतिहास रचा है जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। उदाहरण के तौर पर गजा में 7 अक्टूबर 2023 से 19 मई 2026 के मध्य इस्राइली सैन्य कार्रवाई में 72,772 से अधिक निहत्थे बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि घायलों की संख्या 172,707 से भी अधिक है । मृतकों में आधे से अधिक महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं। इसी तरह लेबनान में भी मई 2026 तक इस्राईल के हमलों में 2,255 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यहाँ भी मरने वालों में 122 बच्चे, 83 महिलाएं और 42 चिकित्सा कर्मी भी शामिल हैं।

यह इस्राइल ही है जिसने ईरान को ग्रेटर इस्राईल के रास्ते का सबसे बड़ा अड़ंगा समझते हुये अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिये उकसाया। हद तो यह है कि अमेरिका और इस्राइल ने परमाणु वार्ता के दौरान ईरान पर कम से कम दो बार हमला किया। पहला हमला 13 जून 2025 को यानी ईरान–अमेरिका परमाणु वार्ता के 5 राउंड की वार्ता के दो दिन बाद किया गया था। इस में इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर भीषण हमला किया, जबकि दोनों देश आगे बातचीत की योजना बना रहे थे। इसी तरह इस्राइल और अमेरिका ने दूसरा हमला 27 फरवरी 2026 को, अमेरिका–ईरान परमाणु वार्ता के बीच किया जिसमें ईरान में 30 जगहों पर हमला किया गया, जिसमें तेहरान में ईरानी खुफिया एजेंसी की इमारतें, एयरपोर्ट्स, राष्ट्रपति भवन और रिहायशी इलाके शामिल थे। साथ ही तेहरान और इस्फहान जैसे 30 शहर भी अमेरिका–इस्राइल के निशाने पर थे। इसी हमले में मिनाब में स्कूल के 165 मासूम बच्चे,सर्वोच्च ईरानी नेता खामनेई व अनेक उच्चाधिकारी शहीद हुये थे।

इसके अतिरिक्त विश्व में हिंसा व अशांति फैलाने के लिये इस्राईल अनेक बार युद्धविराम का उल्लंघन भी करता आया है। चाहे वह गजा का युद्ध विराम हो या लेबनान का युद्ध विराम। इस्राइल गजा युद्ध विराम 10 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी मध्यस्थता में लागू हुआ था। परन्तु युद्धविराम के बाद से अब तक लगभग 2000 बार इस्राईली सेना युद्धविराम का उल्लंघन कर चुकी है। और विराम के बाद 700 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 3 हजार से ज्यादा घायल हो चुके हैं। मानवता के विरुद्ध अपराधा और युद्ध अपराध के कारण ही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। इसके अतिरिक्त, तुर्की ने भी नेतन्याहू और 36 अन्य इस्राईली अधिकारियों के विरुद्ध नरसंहार के आरोप में अलग से गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं ।

आश्चर्यजनक है कि परमाणु हथियार रखने वाला देश इस्राइल, जिसे विश्व के सबसे बड़े नरसंहारक देश के रूप में देखा जा रहा है, व उसका संरक्षक अमेरिका, यदि ईरान जैसे देश को परमाणु हथियार बनाने की झूठ आधारित कथित संभवनाओं के चलते महज प्रोपेगंडा फैलाकर विश्व शांति के लिये बड़ा खतरा बता रहे हैं जबकि ईरान का मानवता के विरुद्ध अपराध,युद्ध अपराध या दूसरे देशों की जमीन पर घुसपैठ जैसे कोई आरोप नहीं हैं। सच तो यह है कि इस्राईल ही विश्व शांति के लिये इस समय सबसे बड़ा खतरा है।

ममता के सामने वजूद का संकट

–रामस्वरूप रावतसरे–

2026 के बंगाल चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बंगाल के रण में ममता बनर्जी के पक्ष में एक भी चुनावी जनसभा या प्रचार नहीं किया जबकि 2021 के चुनाव में सपा ने टीएमसी के समर्थन में बकायदा अपनी टीम भेजी थी। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, अखिलेश यादव की यह दूरी बेहद रणनीतिक और सोची–समझी थी। अखिलेश यादव भली–भांति जानते थे कि उन्हें उत्तर प्रदेश में भाजपा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय कैडर और वोट बैंक की सख्त जरूरत है। बंगाल चुनाव में अखिलेश की दूरी का कारण था कि अगर वे बंगाल जाकर ममता बनर्जी के मंच पर खड़े होते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन खटाई में पड़ सकता था क्योंकि बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी एक–दूसरे के धुर विरोधी थे।

'आईएनडीआईए' गठबंधन के शुरुआती दिनों में जब इस मोर्चे को आकार दिया जा रहा था, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का रवैया बेहद आक्रामक और अपनी शर्तों पर चलने वाला था। जब गठबंधन के भीतर जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार को इस राष्ट्रीय मोर्चे का संयोजक या चेहरा बनाने की चर्चा चली थी, तब ममता बनर्जी इस कदर नाराज हो गई थीं कि उन्होंने बैठक तक से दूरी बनाने के संकेत दे दिए थे। बाद में उन्होंने बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों और फिर 2026 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट को एक भी सीट देने से साफ इनकार कर दिया था। विश्लेषकों के अनुसार मगर आज स्थितियां पूरी तरह उलट गयी हैं। बंगाल की सत्ता हाथ से जाने के बाद ममता बनर्जी के पास अपनी राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक वजूद को बचाने के लिए 'आईएनडीआईए' गठबंधन की छत्रछाया में आने के अलावा कोई दूसरा मजबूत विकल्प नहीं बचा है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यदि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन दोबारा मजबूती से मैदान में उतरता है, और देश के अन्य राज्यों में भी कांग्रेस ही विपक्ष की मुख्य धुरी बनी रहती है तो क्या ममता बनर्जी अपनी पुरानी जिद छोड़कर राहुल गांधी को विपक्ष का सर्वमान्य नेता स्वीकार कर लेंगी?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी के लिए राहुल गांधी के पीछे खड़े होना उनके राजनीतिक अहंकार और कड़े स्वभाव के विपरीत होगा, लेकिन सत्ता से बेदखल होने के बाद अब वे फ्रंट फुट के बजाय बैक फुट पर खेलने को मजबूर हैं। राजनीतिक गलियारों में एक चर्चा यह भी तैर रही है कि ममता बनर्जी वास्तव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'आईएनडीआईए' गठबंधन को मजबूत नहीं करना चाहतीं, बल्कि वे इसके भीतर रहकर एक ऐसा 'दबाव समूह' बनाना चाहती हैं जो कांग्रेस और विशेषकर राहुल गांधी की लीडरशिप को कमजोर कर सके। ममता बनर्जी आज भी एक ऐसे 'थर्ड फ्रंट' या 'बिन कांग्रेस' वाले मोर्चे की पक्षधर है जहां क्षेत्रीय क्षत्रपों जैसे अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल और स्टालिन का दबदबा हो और वे खुद उस मोर्चे की मार्गदर्शक या मुख्य चेहरा बन सकें।

जानकारों की माने तो इस पूरे त्रिकोण में सबसे दिलचस्प स्थिति वामपंथी दलों सीपीआई–एम और अन्य लेफ्ट पार्टियों की है। बंगाल की धरती पर करीब 34 सालों तक राज करने वाले वामपंथियों की पूरी राजनीति ही तृणमूल कांग्रेस के हिंसक और कथित तौर पर भ्रष्ट शासन के विरोध पर टिकी रही है। 2026 के चुनाव में भी लेफ्ट ने टीएमसी के खिलाफ जमकर प्रचार किया था। अब यदि ममता बनर्जी केंद्रीय स्तर पर 'आईएनडीआईए' गठबंधन के मंच पर राहुल गांधी और अन्य नेताओं के साथ मंच साझा करती हैं, तो बंगाल का स्थानीय लेफ्ट कैडर कभी भी टीएमसी के साथ किसी भी तरह के तालमेल को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे में लेफ्ट के सामने दो ही रास्ते बचेंगे, या तो वे राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ अपनी दोस्ती को बचाए रखने के लिए ममता बनर्जी की मौजूदगी को बेमन से सहन करें, या फिर वे इस राष्ट्रीय गठबंधन से खुद को अलग कर अपना एक स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखें।

सड़क पर बैठे तेंदुए के सामने गिरा बाइक सवार, हिम्मत दिखाकर आगे बढ़ा युवक, तो जंगल में भागा

संवाददाता–बहराइच। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव क्षेत्र के कतर्निया रेंज में रविवार दोपहर एक रोमांचक और हैरान कर देने वाला नजारा देखने को मिला। बिछिया बाजार के पास तेज रफ्तार से जा रहे एक बाइक सवार के सामने अचानक तेंदुआ आ गया। तेंदुए को सामने देखकर बाइक चालक घबरा गया और ब्रेक लगाने के दौरान उसकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। इसके बाद जो दृश्य सामने आया, उसे देखकर वहां मौजूद लोगों की सांसें थम गईं। घटना सुजौली थाना क्षेत्र के बिछिया–सुजौली मार्ग पर दोपहर करीब दो बजे की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक युवक बाइक से बिछिया बाजार से सुजौली की ओर जा रहा था। तभी अचानक सड़क पर तेंदुआ आ गया। तेंदुए को देखकर युवक के होश उड़ गए। उसने बाइक रोकने की कोशिश की, लेकिन तेज रफ्तार के कारण बाइक पलट गई। युवक अपनी जान बचाने के लिए बाइक छोड़कर विपरीत दिशा में भाग निकला। बाइक गिरने के बावजूद उसका इंजन चालू रहा और पहिया घूमता रहा। इसी बीच तेंदुआ बाइक के पास पहुंच गया और वहीं बैठकर घूमते हुए पहिए को देखने लगा। सड़क के बीच तेंदुए को बैठा देख दोनों ओर से आने–जाने वाले वाहन रुक गए। लोग दूर खड़े होकर तेंदुए के हटने का इंतजार करते रहे। पूरे इलाके में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया।

करीब 10 मिनट तक तेंदुआ बाइक के पास ही बैठा रहा। इसी दौरान बाइक मालिक युवक अपनी गाड़ी लेने के लिए आगे बढ़ने लगा। सड़क किनारे खड़े लोग लगातार उसे आवाज देकर रोकते रहे, लेकिन युवक ने किसी की नहीं सुनी और आगे बढ़ता गया। लोगों को आशंका थी कि तेंदुआ हमला कर सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जब युवक और तेंदुए के बीच की दूरी करीब एक मीटर रह गई, तब तेंदुए ने युवक को अपनी ओर आते देखा। इसके बाद वह अचानक उछलकर सड़क किनारे जंगल की ओर भाग गया और कुछ ही क्षणों में घने जंगल में ओझल हो गया।

तेंदुए के जंगल में लौटते ही लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान कई लोग पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाते रहे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से जंगल क्षेत्र के आसपास सावधानी बरतने और वन्यजीव दिखाई देने पर दूरी बनाए रखने की अपील की है।

ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के सदर कोतवाली के मेहड़ा के समीप गोरखपुर–छपरा रेल खंड पर ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की रविवार को मौत हो गई। मौके पर पहुंची सदर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उनके पास से गांजे की पुड़ियां व चीलम भी बरामद किया गया है। पुलिस का मानना है कि नशीला पदार्थ सेवन करने के दौरान ही वे ट्रेन की चपेट में आ गए। सुबह मेहड़ा के समीप गोरखपुर–छपरा रेल खंड पर दो युवक ट्रेन की चपेट में आ गए और दोनों की मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस व जीआरपी ने जांच की। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। दोनों की शिनाख्त किशन(18) पुत्र छोटे बांसफोर निवासी सुगर मिल देवरिया व सलमान उर्फ मिटे (25) पुत्र शबीर खान निवासी महुआ रुच्चापार थाना कोतवाली के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि किशन के नानी की तबीयत खराब थी, वह गोरखपुर मेडिकल कालेज जाने के लिए शाम को ही निकला था, लेकिन सुबह रेलवे ट्रैक से उसका शव बरामद हुआ। पुलिस की माने तो दोनों हाल ही में जेल से भी छूट कर आए थे। सदर कोतवाल राकेश कुमार राय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मुसहर समाज के लिए शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता–कुशीनगर। पडरौना ब्लॉक के जंगल बेलवा मुसहर टोली में रविवार को शहम पढ़ेंगे तभी बढ़ेंगेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ समाजसेवी दीप नारायण अग्रवाल के संरक्षण में और वरिष्ठ भाजपा नेता पप्पू पाण्डेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल विशुनपुरा के मंत्री मनोज गोंड ने किया। इसमें जंगल नाहर छपरा, कुरमौल और जंगल बेलवा से सैकड़ों मुसहर परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पप्पू पाण्डेय ने कहा कि मुसहरों के संपूर्ण विकास में अशिक्षा सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने बताया कि सरकार मुसहरों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रही है, लेकिन अशिक्षा के कारण वे इन योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। पाण्डेय ने खेद व्यक्त किया कि जहां एक ओर देश 21वीं सदी में चंद्रमा पर निवास करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर अशिक्षा के कारण मुसहर समाज प्रारंभिक सुविधाओं से भी वंचित है। उन्होंने इसे मुसहर समाज के लिए एक कलंक बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सरकार ने मुसहर और मलिन बस्तियों में स्कूलों से लेकर मुफ्त शिक्षा तक की व्यवस्था की है। हालांकि, मुसहर समाज के लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजने में पीछे हैं, जिससे उनका और उनके बच्चों का पूर्ण विकास नहीं हो पा रहा है।

महिला से मिलने गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या कराने का आरोप

संवाददाता–कुशीनगर। कुशीनगर जिले के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के बरडीहा गांव में शनिवार की देर रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव गांव के बाहर स्थित मोबाइल टावर के पास मिला। सूचना मिलने पर परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने एक महिला पर युवक की हत्या कराने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बरडीहा गांव निवासी संदीप यादव उम्र 24 वर्ष पुत्र शिवधार यादव शनिवार की रात घर से निकला था। देर रात गांव के कुछ लोगों ने उसे टावर के पास गंभीर हालत में पड़ा देखा और इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजन युवक को तत्काल मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि गांव की एक महिला ने युवक को मिलने के बहाने बुलाया था। उनका कहना है कि युवक के वहां पहुंचने के बाद उसकी हत्या कर दी गई और शव को घर से कुछ दूरी पर स्थित टावर के पास फेंक दिया गया। परिजनों ने इस संबंध में महिला की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पूछताछ के लिए महिला को हिरासत में लिया है। वहीं शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एसओ, अहिरौली बाजार प्रविंद्र कुमार राय ने कहा, युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस लाइन में अनुपयोगी संपत्तियों की नीलामी, 51 ठेकेदारों ने लिया हिस्सा

संवाददाता–महराजगंज। पुलिस लाइन में अनुपयोगी और निष्प्रयोज्य राजकीय संपत्तियों की खुली नीलामी पारदर्शी एवं विधिसम्मत तरीके से संपन्न हुई। यह नीलामी पुलिस अधीक्षक श्री शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देश पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी लाइन श्री अनिरुद्ध कुमार ने की। नीलामी में पुलिस विभाग की विभिन्न श्रेणियों की अनुपयोगी राजकीय संपत्तियां शामिल थीं। इनमें मेज, कुर्सी, आलमारी, बॉडी प्रोटेक्टर, हेलमेट, लाठीध्डंडा जैसी सामग्री के साथ–साथ कंप्यूटर, प्रिंटर, फोटोकॉपी मशीन, मोबाइल फोन, कैमरा, सीलिंग फैन, पैडिस्टल फैन, बैटरी और ड्रैगन लाइट जैसे इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी थे। इसके अतिरिक्त, वर्दी संबंधी अनुपयोगी सामग्री, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट पैड, ग्लव्स जैसे खेलकूद उपकरण और मेस में प्रयुक्त विभिन्न पात्र तथा दंगा निरोधक उपकरण भी नीलाम किए गए। इस नीलामी प्रक्रिया में जनपद और आसपास के क्षेत्रों से कुल 51 पंजीकृत ठेकेदारों और प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पूरी कार्यवाही प्रतिस्पर्धात्मक, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हुई, जिसका उद्देश्य राजकीय संपत्तियों का उचित और अधिकतम मूल्य प्राप्त करना था। सभी प्रतिभागियों को निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार स्वतंत्र रूप से बोली लगाने का अवसर दिया गया। खुली बोली के दौरान, गोरखपुर जनपद के भऊआपार, थाना बेलीपार निवासी विकास सिंह पुत्र रवि प्रकाश सिंह ने सर्वाधिक बोली लगाई। नियमानुसार, उनकी बोली को स्वीकार कर संबंधित अनुपयोगी राजकीय संपत्तियों की नीलामी उनके पक्ष में स्वीकृत की गई।

दहेज प्रताड़ना से मौत के मामले में पति–ससुर गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। खरगूपुर थाना क्षेत्र के डींगुर गांव में दहेज प्रताड़ना से परेशान होकर जरीना बेगम (26) की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके पति मोहम्मद हुसैन और ससुर इंसान अली को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, जरीना की मौत के मामले में दर्ज मुकदमे की जांच के दौरान रविवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरगूपुर में मेडिकल कराया गया और फिर कोर्ट में पेश किया गया।

मृतका के पिता निजामुद्दीन ने खरगूपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी को शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर, देवर और ननद अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। कम दहेज लाने का ताना देकर उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि 29 मई को सूचना मिली कि उनकी बेटी ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंचने पर जरीना का शव फंदे से लटका मिला। उनका कहना है कि दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना के चलते उसकी मौत हुई और ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी हत्या की है।

मामले में नामजद अन्य आरोपी सास शकीना, देवर नफीस और ननद तबस्सुम अभी फरार हैं। घटना के तीन दिन बाद भी पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। खरगूपुर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक सत्यनारायण यादव, हेड कांस्टेबल सुनील प्रसाद मौर्य, कांस्टेबल ऋषि यादव और कांस्टेबल पंकज कुमार प्रेमी की टीम ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है और उन्हें भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मतदाता पुनरीक्षण का कार्य पूरा, सूची से 14733 नाम कटा

संवाददाता–महराजगंज। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियों के तहत चलाए जा रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान में महराजगंज जनपद ने बड़ी सफलता हासिल की है। गांव की मतदाता सूची को त्रुटिरहित व पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से चलाए गए डुप्लीकेट मतदाता सत्यापन अभियान में जिले के सभी 12 विकास खंडों ने कार्य पूरा कर शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। इसमें जिले में कुल 7 लाख 55 हजार 679 डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन किया गया। जिनमें से 14 हजार 733 डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम सूची से हटाया गया है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दस जून को किया जाएगा। पंचायत निर्वाचन नामावली के विशेष पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ), पंचायत कर्मियों तथा निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने व्यापक स्तर पर घर–घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया। इस प्रक्रिया में ऐसे मतदाताओं की पहचान की गई जिनके नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज थे या अन्य कारणों से डुप्लीकेट श्रेणी में आ रहे थे। सत्यापन के बाद जिले में कुल 740946 मतदाता वैध पाए गए। जबकि 14733 नाम डुप्लीकेट श्रेणी में आए। कुल डुप्लीकेट मतदाताओं की तुलना में हटाए गए नामों का प्रतिशत लगभग 1.95 प्रतिशत दर्ज किया गया है। डुप्लीकेट मतदाताओं का नाम सूची से हटा दिया गया है। अब दस जून को अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। निचलौल विकास खंड में सर्वाधिक 80130, नौतनवा में 76999 पनियरा में 73454, मिठौरा में 72356 तथा घुघली में 66990 डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन किया गया। वहीं धानी विकास खंड में सबसे कम 22180,महराजगंज सदर में 65757, फरेंदा में 62209, बृजमनगंज में 61957 तथा लक्ष्मीपुर में 61942 डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन किया गया।

मतदाता सूची से नाम हटाने की कार्रवाई में परतावल ब्लॉक सबसे आगे रहा। यहां 1868 मतदाताओं के नाम हटाया गया। पनियरा में 1707, लक्ष्मीपुर में 1699, मिठौरा में 1649, घुघली में 1533, सिसवा बाजार में 1124 तथा धानी में 987, नौतनवा में 886, निचलौल में 882, बृजमनगंज में 863, फरेंदा में 835 और महराजगंज सदर में 700 मतदाताओं के नाम सूची से हटाया गया। जिले में शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त होने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया है। अधिकारियों का मानना है कि यह उपलब्धि निर्वाचन विभाग, बीएलओ, पंचायत कर्मचारियों और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। सभी विकास खंडों द्वारा समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा किए जाने से महराजगंज प्रदेश के उन जनपदों में शामिल हो गया है जहां पंचायत मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मुनीष कुमार ने कहा, जिले में मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं का सत्यापन का कार्य पूरा हो चुका है। इसमें 14 हजार 733 मतदाताओं का नाम हटाया गया है। पारदर्शी व त्रुटिरहित मतदाता सूची ही निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव की आधारशिला है। अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दस जून को किया जाएगा।

सपा ने बिजली सरचार्ज वृद्धि के विरोध में किया प्रदर्शन थाली बजाकर भाजपा सरकार पर साधा निशाना

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बिजली दरों में वृद्धि और बिलों पर 10 प्रतिशत सरचार्ज लगाए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन बरहज विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किया गया। बरहज–देवरिया मार्ग पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने थाली बजाकर प्रदेश सरकार के खिलाफ अपना विरोध जताया। उन्होंने तत्काल बिजली दरों में की गई वृद्धि और अतिरिक्त सरचार्ज वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सपा नेता विजय रावत ने भाजपा सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद से महंगाई लगातार बढ़ी है, जिससे आम लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। कहा, भाजपा ने महंगाई कम करने और जनता को राहत देने का वादा कर सत्ता हासिल की थी। हालांकि, अब बिजली, रसोई गैस और दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के दाम बढ़ाकर लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर महंगे बिजली बिल और सरचार्ज ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सपा नेता विजय रावत ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने बिजली दरों और सरचार्ज वृद्धि पर पुनर्विचार नहीं किया, तो समाजवादी पार्टी व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और जनहित के मुद्दों को लेकर धरना–प्रदर्शन करेंगे।

इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए। कार्यक्रम में सजीव तिवारी, राहुल सिंह, पवन पांडेय, अजीत सिंह, अमित प्रधान, प्रदीप सिंह, वीरेंद्र चौधरी, विजय यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सपा नेताओं ने दोहराया कि जनता से जुड़े मुद्दों पर उनका संघर्ष जारी रहेगा।

गोंडा मेडिकल कॉलेज से गायब मरीज 24 घंटे में बरामद

संवाददाता–गोण्डा। मेडिकल कॉलेज के वार्ड से गायब हुए घायल मरीज वासिद को नगर कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर बरामद कर लिया है। बलरामपुर जिले के भलिया मोहनपुर सादुल्लाह नगर निवासी वासिद कल शनिवार को एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें पहले मनकापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। परिजनों ने वासिद को मेडिकल कॉलेज के वार्ड में बेड पर अकेला छोड़कर एंबुलेंस की तलाश शुरू की थी। जब वे वापस लौटे, तो वासिद अपने बेड से गायब मिले, जिससे मेडिकल कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया। परिजनों ने तत्काल गोंडा नगर कोतवाली में वासिद के गायब होने की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शनिवार देर रात से ही वासिद की तलाश शुरू कर दी थी। रविवार दोपहर करीब 2 बजे उन्हें गोंडा के लाल बहादुर शास्त्री चौराहे से घायल अवस्था में बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया। नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि वासिद मेडिकल कॉलेज के वार्ड से खुद ही उठकर चले गए थे। किसी ने उन्हें वहां से नहीं हटाया था। पुलिस की पूछताछ में वासिद ने यही जानकारी दी है। पुलिस अब अस्पताल और लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि घटना की पूरी जानकारी मिल सके। इस घटना के बाद गोंडा मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि वार्ड के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी आखिर घायल अवस्था में वासिद अली को बाहर क्यों जान दिए। फिलहाल इस पूरे प्रकरण को लेकर गोंडा मेडिकल कॉलेज के सीएमएस ने जांच की बात कही है।

तेज हवा के साथ झमाझम बारिश

संवाददाता–बलरामपुर। पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी के बाद रविवार दोपहर करीब 12रू15 बजे आसमान में घने बादल छा गए और हवाओं के साथ शुरू हुई बारिश कुछ ही देर में तेज हो गई। तेज बारिश के कारण मौसम सुहावना हो गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। सुबह से ही तेज धूप और उमस के कारण लोग परेशान थे। बाजारों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर गर्मी का सामना करना पड़ रहा था। दोपहर 12 बजे के बाद मौसम का मिजाज बदला और ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई। इससे तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया, वहीं बच्चों और युवाओं ने इसका खूब आनंद लिया। इस बारिश से किसानों में भी खुशी की लहर दौड़ गई।

पुलिस को अब गिरफ्तारी का कारण लिखित में बताना होगा

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस ने 31 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय के गिरफ्तारी संबंधी निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए एक जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित इस कार्यशाला की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने की।

कार्यशाला में सभी थानों के विवेचकों और पर्यवेक्षण अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को उसकी समझ में आने वाली भाषा में गिरफ्तारी के कारण और आधार लिखित रूप से बताना अनिवार्य है। इस दौरान गिरफ्तारी मेमो में इन कारणों को स्पष्ट रूप से अंकित करने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने जोर दिया कि गिरफ्तारी की प्रक्रिया न केवल कानूनी है, बल्कि संवैधानिक अधिकारों के सम्मान से भी जुड़ी है। उन्होंने विवेचना के दौरान अभियुक्त की गिरफ्तारी करते समय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि कानून का उल्लंघन न हो और पुलिस की कार्यप्रणाली पर जनता का विश्वास बना रहे।

अधिकारियों को यह भी बताया गया कि गिरफ्तारी के समय पारदर्शिता और संवेदनशीलता बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है। नियमों का पालन करने से न्यायिक प्रक्रिया मजबूत होगी और अनावश्यक विवादों तथा शिकायतों से बचा जा सकेगा।

इस कार्यशाला में जनपद के सभी थानों से विवेचकगणों सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन इसे कानून सम्मत, निष्पक्ष और जवाबदेह पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मान रहा है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला बस्ती
मु0नं0– 443/2003
हीराम
बनाम
खेदूराम
1. खेदूराम (मृतक)
1/1 राज कुमारी उम्र 80 साल बेवा खेदूराम 1/2 हृदयराम उम्र 50 साल पुत्र स्व0 खेदूराम साकिनान बटटूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण
तारीख पेशी 18–07–2026
दरख्वास्त मुसम्मा हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 18 माह 07 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 30 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला बस्ती
मूलवाद सं0 392/2099
कृष्णचन्द्र
बनाम
श्रीचन्द्र शुक्ल
1. राधिका देवी पत्नी श्रीचन्द्र शुक्ल
2. पियुष कुमार पुत्र श्रीचन्द्र शुक्ल
3. प्रत्यूष कुमार पुत्र श्रीचन्द्र शुक्ल निवासीगण ग्राम आमचांदी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील बस्ती जिला–बस्ती
तारीख पेशी 13–07–2026
चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 07 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सन् 1890 के अधिनियम 8 की धरा 11 के अधीन सूचना
न्यायालय– श्रीमान जनपद न्यायाधीश महोदय सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
प्रकीर्णवाद सं0 49/2026
दिलीप कुमार वर्मा
बनाम
सरकार उत्तर प्रदेश आदि
1–सरकार उत्तर–प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी द्वारा शासकीय अधिवक्ता (सिविल) जनपद–सिद्धार्थनगर
(प्रतिवादी प्रथम पक्ष)
2–श्रीमती अंजनी सोनी उम्र लगभग 38 वर्ष पत्नी दिलीप कुमार वर्मा साकिन बतसा पोस्ट सवाडांड तप्पा खेसरहा परगना बांसीपूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 3–आम जनता 4–धर्मेन्द्र वर्मा पुत्र शंकर वर्मा वालिग 5–विश्वनाथ वर्मा पुत्र विन्देश्वरी वर्मा वालिग समस्त निवासी बतसा तप्पा खेसरहा परगना बांसीपूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
(प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष)
तारीख पेशी 14–07–2026
को यह सूचना दी जाती है कि उक्त आवेदक ने संरक्षक/वारिस नियुक्त किए जाने के लिए यह आवेदन दिया है अतएव यह सूचना आपत्तिकर्ताओं को उपसंजाति और बाद की पेशी के प्रयोजन के लिए 14–07–2026 दिवस नियत करके निकाली जाती है कि यदि आपको/किसी अवधि के भीतर स्वयं अथवा अभिवक्ता द्वारा 10:00 बजे पूर्वांहन के पूर्व न्यायालय के न्यायालय के उपसंजाति होकर अपनी आपत्ति पेश करें उक्त निर्णित अवधि के अवसान होने की दशा में आपकी किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और के आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित किया जायेगा। सन् 2020 के के दिवस को दिनांकित
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
अदालत–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला बस्ती
मूलवाद संख्या– 212/1999
श्रीमती फगुनी देवी
बनाम
श्रीमती शान्ती देवी आदि
12/1 दिनेश 12/2 आजाद 12/3 रामू 12/4 श्यामू पुत्रगण राजेन्द्र 12/6 श्रीमती गुजराती पत्नी राजेन्द्र 12/6 रेनू पुत्री राजेन्द्र निवासीगण ग्राम तिघरा तप्पा कुदारन परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
14/1 रेखा पत्नी गुड्डू 14/2 शनि 14/3 शिवा नावालिग पुत्रगण गुड्डू ववलायत माता निवासीगण ग्राम तिघरा तप्पा कुदारन परगना मगहर पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती
तारीख पेशी 06–07–2026
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

जमीनी विवाद में युवक की पीट–पीटकर हत्या, ऑटो चलाकर करता था गुजारा

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के ढखवा गांव में शनिवार रात जमीन के विवाद में एक युवक की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही और अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ढखवा गांव निवासी पिंटू (26) पुत्र लल्लू गोरखपुर में ऑटो चलाकर परिवार का भरण–पोषण करता था। परिजनों के अनुसार, शनिवार शाम वह अपनी विवाहित बहन रीना को दिल्ली से घर लेकर आया था। रात करीब सात बजे वह गांव के बाहर गया था। आरोप है कि पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पिंटू को परिजन उपचार के लिए ढेबरा स्वास्थ्य केंद्र, उरुवा सीएचसी, जिला अस्पताल और बाद में मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता लल्लू ने बताया कि परिवार का जमीन को लेकर रिश्तेदारों से पुराना विवाद चल रहा है। आरोप है कि इसी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया। परिजनों का कहना है कि सूचना के बावजूद पुलिस ने समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की। पिंटू चार भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। उसके तीनों बड़े भाई बाहर रहकर नौकरी करते हैं। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गांव में भी घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है। थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्कता बरत रही है।

चेन स्नैचिंग का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार महिला से लूटी थी सोने की चेन

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस ने मेंहदावल क्षेत्र में हुई चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा किया है। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर एक महिला से सोने की चेन लूटने का आरोप है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत मेंहदावल पुलिस और एसओजी टीम ने यह सफलता हासिल की। दोनों अभियुक्तों को मेंहदावल–नौलखा मार्ग स्थित मुहिया पुल के पास से पकड़ा गया। यह घटना 23 मई 2026 को हुई थी। वादी इरशाद अहमद पुत्र मो. अली निवासी अछिया, थाना मेंहदावल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मां घर के सामने बैठी थीं, तभी बाइक सवार दो अज्ञात युवक पानी मांगने के बहाने आए और उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना मेंहदावल में मुकदमा अपराध संख्या 223/2026, धारा 304(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मो. कामिल उर्फ अली पुत्र नौशाद अली निवासी सीधारीपुर, थाना गोरखनाथ, गोरखपुर और मो. अहमद उर्फ अली उर्फ नाटे पुत्र स्व. अब्दुल समद निवासी सुन्नीपुर, निकट गीता प्रेस, थाना कोतवाली, गोरखपुर के रूप में हुई है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे नशे के आदी हैं और आर्थिक तंगी के कारण झपटमारी, छिनैती व चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। अभियुक्त मो. अहमद उर्फ नाटे ने यह भी स्वीकार किया कि वर्ष 2020 में चोरी के पैसों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में उसने अपने एक साथी की हत्या कर दी थी। अभियुक्तों ने बताया कि 23 मई 2026 को ग्राम अछिया में महिला से छीनी गई सोने की चेन उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति को 25 हजार रुपये में बेच दी थी। पुलिस ने उनके पास से बरामद नकदी उसी रकम का हिस्सा बताया है, जबकि शेष धनराशि खर्च कर दी गई थी।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित, विभिन्न केंद्रों पर 245 मरीजों को मिला उपचार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद के खुनियांव ब्लॉक अंतर्गत विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में कुल 245 लाभार्थियों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श, निःशुल्क दवा वितरण तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धोबहा पर डॉ. प्रियांशु पाण्डेय के नेतृत्व में 32 मरीजों का उपचार किया गया। बल्लीजोत केंद्र पर डॉ. संतोष राय एवं फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार उपाध्याय की टीम ने 35 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

पचमोहनी में डॉ. अमरेन्द्र चौरसिया एवं फार्मासिस्ट ध्रुव कुमार चौधरी द्वारा 29 मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। वहीं बढ़या केंद्र पर डॉ. देवव्रत राव एवं फार्मासिस्ट राजाराम पाण्डेय की देखरेख में 35 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। मिठौवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. संजय गुप्ता एवं फार्मासिस्ट डी.बी. राय द्वारा 42 मरीजों का उपचार किया गया, जबकि माधवापुर कला केंद्र पर फार्मासिस्ट परमत्मा गुप्ता ने 21 लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान कीं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुनियांव पर डॉ. अमितेश शुक्ला एवं फार्मासिस्ट रामकरण चौधरी द्वारा 51 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। मेले के दौरान उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (डिप्टी सीएमओ) डॉ. आर.जी. सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मिठौवा का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण, साफ–सफाई व्यवस्था, अभिलेखों के रखरखाव तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने एवं शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके अलावा अधीक्षक डॉ. पी.एन. यादव, बीपीएम अरविंद त्रिपाठी तथा बीसीपीएम महेंद्र कुमार ने भी विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि आरोग्य स्वास्थ्य मेले के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने आमजन से स्वास्थ्य मेले में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराने और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

घरेलू हिंसा वाद संख्या–105/ 2024

प्रकीर्ण वाद सं0–609/2024

थाना–कलवारी

जिला–बस्ती

नीलम चौधरी

बनाम

ध्रुव कुमार चौधरी आदि

1. ध्रुव कुमार चौधरी उम्र लगभग 36 वर्ष पुत्र रामबिलास 2. रामबिलास उम्र लगभग 58 वर्ष पुत्र अज्ञात 3. फूलचन्द्र उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र रामबिलास 4. जोखना देवी उम्र लगभग 56 वर्ष पत्नी रामबिलास 5. नीलम उम्र लगभग 37 वर्ष पुत्री रामबिलास समस्त निवासीगण सिताबजोत पोस्ट बैरागल थाना दुबौलिया जिला–बस्ती –विपक्षीगण

तारीख पेशी 15–06–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 15 मास 06 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

न्याय और जनकल्याण की प्रतीक थीं अहिल्याबाई होलकर –राजेश तिवारी

संवाददाता–गोरखपुर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में रविवार अपराह्न लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की ऐसी महान शासक थीं, जिन्होंने न्याय, सुशासन, जनकल्याण और महिला सशक्तिकरण का आदर्श प्रस्तुत किया। राजेश ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने अपने शासनकाल में समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए। देश भर में मंदिरों, धर्मशालाओं और जनोपयोगी निर्माण कार्यों को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन सेवा, त्याग और लोककल्याण की प्रेरणा देता है। वर्तमान समय में उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में समरसता, न्याय और जनसेवा की भावना को और मजबूत किया जा सकता है। इस दौरान गोरखलाल श्रीवास्तव, सतेंद्र निषाद, नवीन सिन्हा, पानमती शर्मा, अनिल सोनकर, ज्ञानेंद्र शाही, संतोष उपाध्याय, इंदु भूषण शुक्ल, राजेश निषाद, व्यास मुनि उपाध्याय, संतोष शुक्ला, प्रवीण तिवारी, रामनगीना साहनी, हौशीला पाण्डेय, सुनील सिंह, धर्मेंद्र दुबे, राजकुमार यादव, अभिषेक राय, अशोक सिंह, ऋषिराज सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री संजय निषाद के नाम वाला शिलापट तोड़ा, भड़के समर्थक, पुलिस ने आनन–फानन में नया लगवाया

संवाददाता–गोरखपुर। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री डा.संजय निषाद के नाम वाला शिलापट तोड़े जाने को लेकर उनके समर्थक भड़क गए। यह शिलापट्ट, गोरखपुर के चौरीचौरा क्षेत्र के ब्रह्मपुर ब्लॉक से आमघाट संपर्क मार्ग पर लगा था। आरोप है कि अराजक तत्वों ने इस शिलापट को तोड़ दिया। समर्थकों को इस बात की जानकारी मिली तो वे भड़क गए। नाराज समर्थक शनिवार रात करीब 11 बजे से वहां धरने पर बैठे रहे। कैबिनेट मंत्री का शिलापट तोड़े जाने और उससे गुस्साए समर्थकों के तेवर देखते हुए पुलिस सकते में आ गई। बाद में मंत्री डा.संजय निषाद के विधायक बेटे ई.सरवन निषाद ने भी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से बात की। उन्होंने नया शिलापट लगवाने की अपेक्षा जताई। इस पर पुलिस ने आनन–फानन में नया शिलापट तैयार करवाया और रविवार की सुबह 10 बजे उसे स्थापित करा दिया। नई बाजार चौकी प्रभारी अशोक सिंह ने रात में ही डा.संजय निषाद के समर्थकों को आश्वासन दिया था कि रविवार की सुबह तक शिलापट लगवा देंगे। आश्ववासन पूरा करते हुए पुलिस ने शनिवार रात में ही देवरिया से नया शिलापट तैयार कराया और रविवार सुबह करीब 10 बजे उसे स्थापित करवा दिया। उधर, विधायक प्रतिनिधि अमित जायसवाल ने शनिवार की रात झंगहा पुलिस को तहरीर देकर कुछ नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की।

विधायक प्रतिनिधि अमित जायसवाल की तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने रात में ही कई स्थानों पर दबिश दी और आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के नाम से लगे शिलापट को क्षतिग्रस्त किए जाने से नाराज समर्थकों ने घटनास्थल पर धरना शुरू कर दिया था। पुलिस के आश्वासन के बाद रविवार सुबह धरना समाप्त हुआ। पुलिस शिलापट तोड़ने वाले अराजकतत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की तैयारी में जुटी हुई है।

साहू समाज ने किया भाजपा महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता का अभिनंदन

संवाददाता–गोरखपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता का रविवार को पूर्वांचल साहू समाज की ओर से उनके गायत्री नगर, झरना टोला स्थित आवास पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समाज के लोगों ने माल्यार्पण कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्वांचल साहू समाज के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता ने किया। उन्होने कहा कि भाजपा द्वारा रमेश प्रताप गुप्ता को महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया जाना साहू समाज के सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर जनपद में साहू समाज की बड़ी आबादी इस निर्णय से गौरवान्वित महसूस कर रही है।नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता को सम्मानित करते हुए समाज के प्रतिनिधियों ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा जताई। उपस्थित लोगों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के योग्य और सक्रिय कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। इस दौरान प्रदेश मंत्री पूर्वांचल साहू समाज जी के गुप्ता, दीपक गुप्ता, विद्याशरण गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, बी पी गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, संत कुमार गुप्ता, उमेश चंद गुप्ता सहित साहू समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

अदालत– श्रीमान C.R.O. नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

रविनाथ आदि

बनाम

आशीष आदि

1. रंजना देवी विधवा अभिषेक कुमार 2. आदित्य कुमार नावालिग संरक्षिका ववलायत माता रंजना देवी 3. आराधना पुत्री अभिषेक कुमार साकिनान मौजा रसीपावल खुर्द तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 12 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–748/2025

श्रीमती गीता मिश्रा आदि

बनाम

श्रीमती सीमा देवी आदि

3. श्रीमती सरिता देवी उम्र करीब 45 वर्ष पुत्री सियाराम पत्नी धर्मराज निवासी ग्राम डिलिया हालमुकाम ग्राम भेलवल तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 4. श्रीमती ममता उम्र करीब 42 वर्ष पुत्री सियाराम पत्नी अशोक कुमार निवासी ग्राम नेवारी तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादिनीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 21–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश

(आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद संख्या– 329/2025

(अन्तर्गत मूलवाद सं0–277/1983)

रामलौट आदि

बनाम

हृदयराम आदि

1. हृदयराम उम्र 35 वर्ष 2. राम मूरत उम्र 31 वर्ष पुत्रगण पल्टूराम 3. रामजनक उम्र 30 वर्ष मृतक पुत्र रामदत्त

3/1 जयन्त्री उम्र 70 वर्ष पत्नी रामजनक 3/2 आनन्द कुमार उम्र 50 वर्ष पुत्रगण पुत्रगण पल्टूराम 3/3 धर्मेन्द्र कुमार उम्र 47 वर्ष 3/4 सन्त कुमार उम्र 45 वर्ष 3/5 कृष्ण कुमार उम्र 43 वर्ष 3/6 अशोक उम्र 40 वर्ष 3/7 अनिल उम्र 35 वर्ष 3/8 सतवन्त उम्र 30 वर्ष 3/9 सुनील उम्र 22 वर्ष पुत्रगण राम जनक 3/10 कुसुम उम्र 40 वर्ष पुत्री रामजनक निवासीगण ग्राम खोपोखर, तप्पा–नवाई, परगना–नगर पश्चिम तहसील–हरैया, जिला–बस्ती 4. राजाराम उम्र 40 वर्ष मृतक पुत्र छोटू 4/1 तारा देवी उम्र 65 वर्ष 4/2 सुशीला देवी उम्र 62 वर्ष पुत्रीगण राजाराम निवासी ग्राम अमारी बाजार बेचूपुर तप्पा–रामगढ़, परगना–अमोढ़ा, तहसील–हरैया, जिला–बस्ती

–विपक्षीगण

तारीख पेशी 22–08–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 22 माह 08 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय। मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम–

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी00डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–50/2026

सुदामा

बनाम

विन्दवासिनी आदि

1. विन्दवासिनी आयु 35 वर्ष पत्नी राम अजोर निवासी ग्राम नन्दनगर तप्पा सिकन्दरपुर, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती 2. रामकुमार आयु 50 वर्ष पुत्र लालता प्रसाद निवासी ग्राम चौरी, तप्पा सिकन्दरपुर, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती

– प्रतिवादी प्रथम वर्ग

3. राधेश्याम सोनकर आयु 50 वर्ष 4. सुखीराम सोनकर आयु 48 वर्ष पुत्रगण नान्हू 5. श्रीमती आयु 58 वर्ष पत्नी स्व० सुखदेव पूर्व निवासी ग्राम नन्दनगर, तप्पा सिकन्दरपुर, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती हाल मुकाम ग्राम सिकन्दरपुर, तप्पा सिकन्दरपुर, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती।

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 08–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी00डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–213/2026

सीताशरन

बनाम

संतोष कुमार आदि

1. संतोष कुमार आयु 36 वर्ष 2. मुकेश कुमार आयु 34 वर्ष 3. उमेश कुमार आयु 32 वर्ष 4. महेश कुमार आयु 28 वर्ष पुत्रगण भानुप्रताप 5. शांति देबी आयु 58 वर्ष पत्नी भानुप्रताप निवासी ग्राम नरायनपुर, तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती।

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

6. ओमप्रकाश आयु वर्ष पुत्र जगई निवासीगण ग्राम नरायनपुर, तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती ।

– प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 17–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0–C 202417000000907

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

फारूक

बनाम

अब्दुल रऊफ आदि

1. अब्दुल रऊफ 2. मुश्ताक अहमद 3. करम हुसैन 4. अली हुसैन 5. इश्तियाक 6. इम्तियाज पुत्रगण चिनकान –रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग 7. मो0 असलम 8. मो0 याकूब पुत्रगण रहमत –रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग साकिनान मौजा चन्दोखा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 07–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 30 माह 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश

(आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला बस्ती

मु0नं0– 446/2013

रामनरेश

बनाम

राज कुमारी आदि

2/1 सुनील सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र साधू सरन सिंह 2/2 श्रीमती वन्दना पत्नी संजय सिंह उम्र लगभग 30 वर्ष साकिनान मौजा भूअर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 3/1 मनू सिंह उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्र रामशंकर सिंह 3/2 श्रीमती दुर्गा देवी उम्र लगभग 75 वर्ष पत्नी रामशंकर सिंह साकिनान मौजा भूअर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–07–2026

दरख्वास्त मुसम्मा हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 14 माह 07 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 25 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी00डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–11/2026

सुखराम आदि

बनाम

रामछैल आदि

1. रामछैल उम्र 40 वर्ष 2. मोहन लाल उम्र 35 वर्ष 3. अवधेश कुमार उम्र 30 वर्ष पुत्रगण रामबली साकिन टोला–रामपुर गनेशपुर, तप्पा–गनेशपुर, परगना–नगर तहसील व जिला–बस्ती 4. सन्तराम उम्र 22 वर्ष पुत्र राम औतार 5. चम्पा देवी पत्नी उत्तम कुमार 6. शान्ती देवी पत्नी दुर्गा प्रसाद 7. श्रीमती यशोदामती राम सुरेश साकिनान टोला–रामपुर, गनेशपुर, तप्पा–गनेशपुर, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती 8. श्रीमती विनीता देवी पत्नी दीन दयाल साकिन टोला–बड़ी बाजार, गनेशपुर, तप्पा–गनेशपुर, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**

dainikbhartiyabasti@gmail.com